पूर्णकालिक संगीत संस्थान
हिमालय संगीत शोध समिति
(सम्बद्ध भातखण्डे विद्यापीठ लखनऊ)
जे.के. पुरम सेक्टर-डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)
मो. : 8979142899, 9411563413

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2021-23

साप्ताहिक
पिघलता हिमालय

डिजायनिंग व प्रिंटिंग
जी.एम. ग्राफिक्स
(कार्ड, फ्लैक्स, बैनर)
खान चन्द मार्केट, हल्द्वानी (नैनीताल)
मो. : 9927319903

संस्थापक/प्रथम सम्पादक : स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
संस्थापक : स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया
द्वितीय सम्पादक : स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

वर्ष 38 अंक 3 हल्द्वानी सम्वत् 2079 सोमवार 20 जून 2022
एक प्रति 5 रु., वार्षिक- 200 रु., आजीवन 2000 रु.
Website- www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल

चम्पावत विकास एवं संघर्ष समिति ने फिर से दोहराई हैं अपनी मांगें

कार्यालय प्रतिनिधि

चम्पावत। मुख्यमंत्री का विधानसभा क्षेत्र बनने के बाद सीमान्तवासियों को उनसे बेहद उम्मीदें हैं। देखना अब यह है कि सीएम धामी अपने वायदे किस गति से पूरा करते हैं। चम्पावत की ज्वलन्त समस्याओं को उठाने वाली विकास एवं संघर्ष समिति ने भी फिर से अपनी मांगें दोहराई हैं। समिति के अध्यक्ष बसन्त तड़ागी का कहना है कि सुविधाओं के लिये चम्पाावत को जिले का दर्जा तो दे दिया गया था लेकिन इसके विकास में शासन-प्रशासन ने आज तक कोई रुचि नहीं ली। क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर कई बार उच्चाधिकारियों के दरवाजे खटखटाये गये लेकिन चम्पावत में कोई विकास नहीं हुआ। वर्तमान सरकार और सीएम को यहां की जनता ने आंख मूंद कर वोट दिया है, ऐसे में उनकी जिम्मेदारी बन जाती है कि अपने वायदे पूरा करें।

संघर्ष समिति की ओर से अब प्राकृतिक चलचित्र निर्माण भवन (फिल्म स्टूडियो) लस्टा-लटोली (ग्राम) में शुरु करने की मांग की गई है। झिझाड़ निवासी हेमन्त कुमार जोशी ने बताया है कि इस बारे में पर्यटन विभाग को प्रस्ताव दिया जा चुका है। यदि इस दिशा में कार्य होता है तो क्षेत्र में रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे। रोजगार के लिये इस प्रकार की जरूरत इस पहाड़ी क्षेत्र में है।

संघर्ष समिति के अध्यक्ष श्री तड़ागी और सामाजिक कार्यकर्ता श्री जोशी ने मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र में कहा है कि कभी चन्द राजाओं की राजधानी रह चुका यह जनपद आज भी उन भवनों, दवालयों, नौलों व इमारतों का वजूद बनाये हुए हैं। उत्तराखण्ड राज्य खूबसूरत, सुरम्य एवं सौन्दर्य से लकदम के लिए प्रसिद्ध चम्पावत जिला राज्य के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को भी सहेजे हुए है।

प्राकृतिक चलचित्र निर्माण भवन लिस्टा लटोली का प्रस्ताव पर्यटन विभाग को दिया गया है

-हेमन्त कुमार जोशी झिझाड़

जनपद सृजन 15 सितम्बर 1997 तथा सीमा पूर्व में नेपाल के महेन्द्रनगर जनपद पिथौरागढ़ पश्चिम में नैनीताल और दक्षिण में उधमसिंह नगर है। जनपद का मुख्यालय चम्पावत और तहसील चम्पावत है। चम्पावत रेलवे हैड टनकपुर से 74 किमी एवं हवाई अड्डा नैनीसैनी 75 किमी (नवनिर्मित) की दूरी पर है। जनपद चम्पावत की विशेषता भूकम्प रहित जोन 04 में है। यहाँ कभी कभार 2. 5 से लेकर 3.5 हैक्टेयर के भूकम्प आते हैं। ऐतिहासिक धार्मिक महाभारत एवं रामायण कालीन घटनाओं के कई सन्दर्भ यहाँ मौजूद हैं। उसके साथ-साथ वन्य सम्पदा जैव विविधता, पर्यटकों एवं वन्य जीवों के प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करती है। प्रसिद्ध शिकारी एवं वन्यजीव प्रेमी जिम कार्बेट 20वीं सदी के पहले दशक में चम्पावत आये थे। जिसका उल्लेख उन्होंने अपनी पुस्तक 'मेन इटर्स आफ कुमाऊँ' में किया है। चम्पावत चाय बगान ब्रिटिश शासन के समय से ही विकसित है, जो चम्पावत से 2 किमी दूरी पर स्थित है। वर्तमान में चारा विकास बोर्ड द्वारा इसकी देखरेख की जाती है।

यहाँ पर लिस्टा ग्रामसभा में देवदार की भव्य देवदारवनी है, जो ग्राम सभा लटोली से जुड़ी हुई है। यहाँ पर लटोली में जवाहर नवोदय विद्यालय अपने पूर्ण विकसित रूप में चलाया जा रहा है। लिस्टा लटोली के कूर्म शिखर पर कान्तेश्वर महादेव का मन्दिर है, जिसकी मान्यता है कि भगवान विष्णुदेव के पर चिन्हों की आज भी पूजा की जाती है। स्कन्ध पुराण में इसका वर्णन किया गया है। शहर से लिस्टा लटोली 3 किमी दूरी पर है। चम्पावत शहर की समुद्रतल से ऊँचाई 5028 फिट है। चम्पावत के मुड़ियानी ग्राम से लिस्टा लटोली होते हुए एन.एच. 125 नेशनल हाईवे बाईपास का निर्माण भी किया जा रहा है। लिस्टा लटोली से निकली गाड़ गधेरों से दुधारी में बांज के जंगलों से प्रचुर मात्रा में पानी आता है और नई पेयजल योजना क्वैराला घाटी भी उम्मीदों से भरी है।

चम्पावत जिले के कई महत्वपूर्ण मन्दिर व भवन हैं। जिनमें गोरलदेव, बालेश्वर, नागनाथ, माँ भगवती, हिंगलादेवी घटोत्कच्छ का मन्दिर, डिप्टेश्वर महादेव का मन्दिर, मानेश्वर महादेव, ताड़केश्वर महादेव, वाणासुर का किला, माँ पूर्णागिरी, कंकर्र पुराणों के अनुसार सृष्टिकर्ता ब्रह्मा ने एक यज्ञ यहाँ किया था। माँ बाराही देवी, कान्तेश्वर महादेव, ऋशेश्वर महादेव, भूमा देवी रीठासाहिब, हरेश्वर महादेव, गोरखनाथ, अखिल तारणीदेवी, खेतीखान का सूर्य मन्दिर, ऐड़ी फटकशिला मन्दिर, पाताल रुद्रेश्वर गुफा, व्यानधुरा मन्दिर एवं 7000 फिट की ऊँचाई पर एबटमाउन्ट ब्रिटिश काल का काटेज चर्च कब्रगाह मौजूद हैं। पंचेश्वर बांध में अदम्य साहब की नाविक राफ्टिंग होती है।

विकास एवं संघर्ष समिति ने इस पूरे हवाले बाद अन्त में सीएम से निवेदन किया है कि प्राकृतिक, मन्दिरों व वन सम्पदा से आच्छादित जिले में प्राकृतिक चलचित्र भवन की स्थापना जरूर करवाएं ताकि क्षेत्र का विकास हो और युवाओं को रोजगार मिले।

जोहार सांस्कृतिक वेलफेयर सोसाइटी का आयोजन 'गेलपातल'

पि.हि.प्रतिनिधि

मुनस्यारी। जोहार सांस्कृतिक वेलफेयर सोसाइटी हल्द्वानी द्वारा इस बार सीमान्त के हरकोट में गेलपाल का आयोजन किया गया। 'सघन वृक्षारोपण' के इस आयोजन में क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

सोसाइटी नियमित रूप से इस प्रकार के आयोजनों को अंजाम देती रही है। इस बार के आयोजन के लिये ग्राम हरकोट को चुना गया था। जिसमें वृक्षारोपण के अलावा पर्यावरण संरक्षण को लेकर बच्चों के बीच पेन्टिंग प्रतियोगिता भी हुई। सांस्कृतिक जुलूस के साथ शुरु हुए आयोजन में परम्परागत रीति-रिवाज का प्रस्तुतिकरण दिखाई दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों व कलाकारों ने प्रस्तुति दी।

समाजसेवी बाबू राम सिंह की १३९वीं जयन्ती पर आयोजन

पि.हि.प्रतिनिधि

हल्द्वानी। समाजसेवी स्व.बाबू राम सिंह की 139वीं जयन्ती पर जोहार मिलन केन्द्र में आयोजन किया गया। स्व.रामसिंह के बंशज हेमलता पांगती, तुलसी पांगती, तारा जंगपांगी, लोकेश पांगती, तनुज पांगती ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। राजेन्द्र सिंह पांगती ने शौका बोली शब्द कोश का विमोचन किया। हरीश सिंह धर्मशक्तू ने मिलन केन्द्र पुस्तकालय को पुस्तक दान की। इस मौके पर देवेन्द्र सिंह धर्मशक्तू, डॉ. प्रहलाद सिंह मर्तोलिया सहित उपस्थित जनों ने रामसिंह जी के कार्यों का उल्लेख किया।

व्यास घाटी में खूब चहल-पहल है, इनरलाइन परमिट का रिकार्ड टूटा

पि.हि.प्रतिनिधि

धारचूला। ग्रीष्मकालीन सीजन में इस बार सीमान्त की व्यास घाटी में खूब चहल-पहल है। भारत-चीन सीमा पर स्थित इनरलाइन क्षेत्र में जाने के लिये इनरलाइन परमिट का रिकार्ड टूट चुका है। इस सीजन में दो हजार से अधिक इनरलाइन परमिट पहले ही जारी हो चुके थे। चीन सीमा पर धारचूला तहसील के छियालेख को इनरलाइन घोषित किया गया है। आदि कैलास, ऊं पर्वत के देखने प्रतिवर्ष श्रद्धालु आते हैं और देश विदेश के ट्रेकर अपनी यात्रा के लिये आते रहते हैं। छियालेख से आगे जाने के लिये इनरलाइन पास जरूरी है। इसकी जाँच के बाद ही आगे जाने की अनुमति होती है। सरकार द्वारा सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन परमिट व्यवस्था करने से आवेदकों को परमिट के लिये आसानी हो चुकी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

जमरानी बांध : इच्छा शक्ति होने पर असम्भ नहीं है

जमरानी बांध का जिन्न फिर बोतल से बाहर है। वर्षों से सुनते आ रहे हैं जमरानी.....जमरानी। भाबर के लिये यह बहुत आवश्यक हो गया है लेकिन इसके बनने तक पता नहीं कितनी कहानियां पूरी हो जायेंगी और न जाने कितने बण्डल फाइलों के तैयार हो जायेंगे। करोड़ों रुपये लग चुके हैं और करोड़ों लगने हैं। जब कभी यह कार्य पूरा होगा, इसका श्रेय लेने की होड़ मचेगी। शुरुआत में कृष्ण चन्द्र पन्त, वीरबहादुर सिंह के नाम का पत्थर इस परियोजना पर लगा। उसके बाद पं. नारायण दत्त तिवारी इसके लिये विचारते रहे। समय बीता.....काश्तकारों ने आन्दोलन भी किये। बंशीधर भगत इसी आन्दोलन से लोगों के बीच चर्चित हुए थे, जो आज भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधायक हैं। ये सब क्या होता रहा है? सोचने की बात है। हल्द्वानी सहित तमाम भाबर कंक्रीट का घना जंगल बन चुका है, यहाँ की नहरों में वह उछाल नहीं है, सिंचाई गूलों पर कब्जा हो चुका है, सघन पेड़ों के इलाके सफाचट हो चुके हैं। ऐसे में पानी के लिये हाहाकार तो मचना ही है। इस हाहाकार के बीच भाबर की ओछी राजनीति भी लपलपाती रही है। जमरानी बांध आन्दोलन को सिर्फ चुनाव के लिये अपना हथियार बनाने वाले कोरा माहौल बनाते रहे हैं।

इच्छाशक्ति होने पर क्या चीज सम्भव नहीं है। राजनीतिक पार्टियों ने इसके लिये वह सब नहीं किया जो हो सकता था, अधिकारियों ने भी फाइलें पूरी की और अपने-अपने कार्यकाल पूरे कर लिये। इस परियोजना की लेट लतीफी देखते हुए प्रान्तीय उद्योग व्यापार मण्डल के एन.सी.तिवारी, नवीन चन्द्र वर्मा, एड.रामसिंह बसेड़ा, मोहन सिंह बोरा सरीखे जागरुक लोग बराबर पत्राचार करते रहे हैं। किस प्रकार जमरानी बांध बने, साथ ही हल्द्वानी शहर से यातायात दबाव कम करने के लिये बाइपास मार्ग बने की योजना इन्होंने प्रशासन को प्रस्तुत की। सरकार के अपने काम हैं, अपनी उपलब्धियों में सबकुछ शामिल करना है। जो फिर से दिखाई दे रहा है। इतना तो तय है कि जमरानी बांध तो कभी न कभी जरूर बन जायेगा लेकिन ऐसा क्या है की इतनी महत्वपूर्ण योजना में टालम-टाल होती रही और हो रही है।

इस बीच आस जगाने वाली सूचना है कि इस बहुउद्देशीय परियोजना निर्माण के निवेश को अब केन्द्र सेराकर से मंजूरी दे दी गई है। इससे पहले वर्ष २०१९ में इस परियोजना की लागत २९५४.४५ करोड़ की डीपीआर तैयार की गई, जिसे घटाकर २५८४.१० करोड़ की डीपीआर पर स्वीकृति दी गई। इस परियोजना के निर्माण को कृषि सिंचाई योजना के तहत किया जायेगा, जिस पर केन्द्र सरकार ९० प्रतिशत धनराशि खर्च करेगी और राज्य सरकार को दस प्रतिशत का अंशदान देना होगा।

१९७५ में जमरानी बांध को स्वीकृति मिलने के बाद इसका प्रस्ताव केन्द्रीय जलायोग के पास भेजा गया, उसके बाद से अलग-अलग बिन्दुओं पर इस परियोजना में आपत्ति लगती रही। फाइलें बनती और बंधती रही। अब जबकि २०२७ तक जमरानी बांध बनाने का लक्ष्य बताया जा रहा है। यह भी देख लेते हैं कि आंखिर किस दिन से पूरी मशीनरी जुट जाती है। जब सबकुछ तय है तो इस नेक कार्य में किसी भी प्रकार की अड़चन नहीं आनी चाहिये। यह सब इच्छाशक्ति के ऊपर है, यदि सरकार बहादुर चाहे तो....।

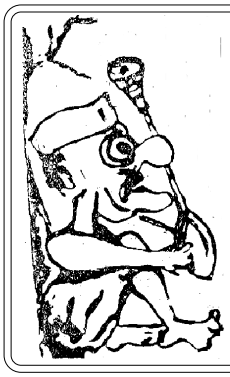

फसक

दाज्यू, परिणाम तो बनाये और बताये जाने वाले ठैरे

बोर्ड की परीक्षाओं में बेटियों ने परचम लहराया बल

दाज्यू, आपको बहुत बधाई। अपना झुसिया बोर्ड परीक्षा में पास हो गया है। पूरे इलाके में पटाखे फोड़ डाले और भिक्कू हलवाई की दुकान से जलेबी बंटवाई गई। पूरे 48 प्रतिशत नम्बर लाया है। झुसिया कह रहा है- 'बाबू तो पंचायत सदस्य ही बन पाए, आठ पास थे। मैं विधायक बनूंगा।'

दाज्यू, हमें बहुत खुशी हो रही है झुसिया अपने पिता के पदचिन्हों पर चल रहा है। वैसे वे खनन कारोबार में पूरा सहयोग करता है बल। शरीर से तो पहले ही अखम्म ठैरा। दाज्यू, परिणाम में क्या रखा है, जिसकी चली वही पास। आप जानने ही वाले हुए परिणाम बनाये और बताये जाने वाले ठैरे। अपने पुष्कर भुली ने खटीमा में हार के बाद चम्पावत में कितनी बड़ी जीत बनाई।

उत्तराखण्ड बोर्ड परीक्षाओं में बेटियों ने परचम लहराया बल। दाज्यू, आप जानने ही वाले ठैरे कि लौंडे-मौंडों का मन पढ़ाई में कम ही लग रहा है। जब मन करे 'टैम्पो हाइ है' नारे लगाने वाले ठैरे। हमारी ननकू भी हनी सिंह बनने की जिद कर रहा है। दिन भर- 'पैंण दी, त्वांडा सांडा, एनू तनु, मैनु तुस्सी' पता नहीं क्या गाता रहता है। बीच-बीच में मादर-फादर की गाली भी देने लगा है। इसका प्रतिशत कैसे बढ़ सकता है? कोई बात नहीं बोर्ड में भले ही फेल हो जाए, सड़क में चल रही परीक्षा में आगे रहेगा। 42 प्रतिशत नम्बर लेकर मुम्मई जा रहा है। कह रहा था- 'पहाड़ लौटकर बच्चों का टैलेन्ट निखारुंगा। नई एलबम बनाऊंगा।' दाज्यू, एक बार ननकू ने रफ्तार पकड़ी तो समझ लो ये पहाड़ है। सारी भीड़ उसके पीछे हो लेगी। ढोल-दमुवा लेकर शहर में जुलूस निकाल देंगे। तुम चिन्ता बिल्कुल मत करो। होना क्या है यह जमाना तय कर लेगा।

नगर निगम हल्द्वानी ने दो साल पहले डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से चार हेक्टेयर ट्रेंचिंग ग्राउण्ड की चाहरदीवारी बनवाई थी जो ढह चुकी है। दाज्यू, नगर आयुक्त कह रहे हैं- 'कूड़ा दीवार तक पहुंच चुका है, इस कारण दीवार टूट गई।' भगवान जाने क्या हुआ था और आगे क्या होगा।

अब बताओ, हल्द्वानी मे दो और डिग्री कालेज का प्रस्वात बना है बल। ये खतरनाक शहर हो चुका है। एमबीपीजी के बाद बालिकाओं के लिये नबाबी रोड में एक और डिग्री कालेज खुला। इसके बाद गौलापार में खुला और अब तो बनभूलपुरा, लामाचौड़ के लिये प्रस्ताव है। दाज्यू, मैडम मखनी खुशी है। कह रही थी ट्रान्सफर के लिये अगल-बगल ठीक रहता है। दाज्यू, हम तो कह रहे हैं क्या रखा है बांकी, हर मोहल्ले में खुल जाना चाहिये। कालेजों में अब रखा ही क्या है? परिणाम देख ही रहे हो।

रोडवेज के बस चालकों की मनमानी रोकने के लिये परिवहन निगम के महाप्रबन्धक (संचालक) दीपक जैन ने आदेश जारी कर दिया है कि दिल्ली नैनीताल मार्ग पर शिवम टूरिस्ट ढाबा गढ़मुक्तेश्वर और वापसी पर नैनीताल दिल्ली मार्ग पर कान्हा श्याम टूरिस्ट ढाबा को अधिकृत किया गया है। बसों को हयीं रुकना होगा। दाज्यू, ये ढाबेबाजी का काम भी हर किसी के बस की बात नहीं ठैरी। हालफ्राई, हाफफ्राई, तन्दूरी रोडी, सलाद के साथ सण्ड-मुसण्ड पालने ठैरे। ऊपर से ड्राइवर का स्वाद भी देखना हुआ। साहब लोग कितना ही पेंच कस लें चलाने वाले का परचम लहरायेगा। अनुबन्ध वाले ढाबे भी अब तक कौन सा सनातन धर्म का पाठ पढ़ाते रहे हैं। जिसकी जो मन हुई, वही होता रहा।

दाज्यू, गर्मी के दिनों में कौन जावे दिल्ली.....कौन खाए इन ढाबों की दाल रोटी.....चारधाम यात्रा चलते हैं। इस बार केदारनाथ व यमुनोत्री में बॉडी मशीनें लगी हुई हैं। दाज्यू, हम पहले भी जाते रहे हैं लमालम। अबके लोग थक जाने वाले हुए.....बात-बात पर मसाज..... .....आसारतलब बच्चे घुप्पू होते जा रहे हैं। दाज्यू, हमें तो बस इस बात की खुशी हो रही है कि अपने शिक्षा मंत्री धनसिंह को शौर्य सम्मान मिल गया है। सम्मान मिलते रहने चाहिये। ले-देकर यही सब बचा है कलजुग में।

रोग-शोक लगा ठैरा महाराज। सरकार कह रही है- अब राजकीय अस्पतालों में 258 जाँचें फ्री होंगी। स्वास्थ्य महानिदेशालय में आयोजित समीक्षा बैठक में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ.धनसिंह रावत ने शिक्षकों के तबादले में पारदर्शिता बरतने को कह दिया। दाज्यू, अभी बहुत कुछ होना है देखते रहो।

रुद्रपुर में निकाय उपचुनाव से पहले भाजपा प्रत्याशी की कार पर बदमाशों ने हमला कर दिया बल। प्रत्याशी ने आगे भी अनहोनी की आशंका जताते हुए मामला दर्ज करवा दिया है। दाज्यू, हमने तो होनी-अनहोनी पर सोचना ही बन्द कर दिया है। दुनिया का कब ढेर हो जाए पता नहीं। -तुम्हारा भुली झकरुवा

रेलवे भूमि पर काबिजों का पक्ष सुनेगा हाईकोट, रिकार्ड में लिये दस्तावेज

कार्यालय प्रतिनिधि

हल्द्वानी। रेलवे भूमि पर अतिक्रमण हटाने की सुगबुगाहट से धकधक बढ़ती जा रही है। लेकिन बस्ती बनाकर रह रहे लोगों ने अपने दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए अपना तर्क दिया है। ऐसे में हर पक्ष यह सुनिश्चित कर लेना चाहता है कि किसी प्रकार की चूक न हो। हाईकोर्ट ने रेलवे की 29 एकड़ भूमि पर किये गये अतिक्रमण के मामले में जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए अतिक्रमणकारियों के दस्तावेजों को भी रिकार्ड में ले लिया है और उनके पक्ष को सुनने की बात कही है।

अदालत ने कहा है कि याचिका का निपटारा होने तक उन्हें अवश्य सुना जायेगा। इससे पहले हुए सुनवाई में कोर्ट ने कहा था कि प्रभावित हो रहे लोग दो सप्ताह के भीतर अपना पक्ष समस्त दस्तावेजों के साथ रख सकते हैं। इसी क्रम में कई लोगों ने दस्तावेज कोर्ट के समक्ष रखे। न्यायमूर्ति शरद कुमार शर्मा एवं न्यायमूर्ति आर.सी.खुल्बे की खण्डपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई।

9 नवम्बर 2016 को हल्द्वानी निवासी रविशंकर जोशी ने उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर कहा था कि रेलवे की भूमि पर लोगों की ओर से अतिक्रमण किया गया है। कोर्ट ने दस सप्ताह के भीतर रेलवे की भूमि पर से अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि जितने भी अतिक्रमण कारी हैं उनको रेलवे पीपीएक्ट के तहत नोटिस देकर जनसुनवाई करें। रेलवे की ओर से पक्ष रखा गया कि हल्द्वानी में रेलवे की 29 एकड़ भूमि पर करीब 4365 लोग मौजूद हैं। हाईकोर्ट के आदेश पर इन लोगों को पीपीएक्ट में नोटिस दिया गया और सुनवाई भी हुई। किसी भी व्यक्ति के पास भूमि के वैध कागज नहीं पाये गये। नवम्बर 2021 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह हलचल तेज है।

कुमाउंनी भाषा सम्मेलन में इसके उद्भव पर चर्चा

पि.हि.प्रतिनिधि

पिथौरागढ़। जिला मुख्यालय में आयोजित दो दिवसीय कुमाउंनी भाषा सम्मेलन में इसके उद्भव पर चर्चा के साथ ही व्यवहारिकता पर मंथन किया गया।

आदलि कुशलि की ओर से सिल्थाम स्थित होटल में सम्मेलन का आयोजन किया गया था। आदलि कुशलि के सम्पादक डॉ. सरस्वती कोहली ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और डॉ. अशोक पन्त ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी मंच पर दिखाई दीं। पद्मादत्त पन्त ने अध्यक्षता व विप्लव भट्ट ने संचालन किया।

सम्मेलन में भाषाविद् डॉ. देवसिंह पोखरिया ने कुमाउंनी भाषा के उद्भव और विकास पर विस्तार से चर्चा की। पहरू के सम्पादक हयात सिंह रावत ने आठवीं अनुसूची में इस भाषा को शामिल करने सहित व्यवहार में अपनी बोली-भाषा को उतारने की अपील की। डॉ. परमानन्द चौबे ने ने कुमाउंनी भाषा के संरक्षण और संवर्द्धन की जरूरत बताई। पूर्व विधायक चन्द्रा पन्त ने भी से अपनी मातृभाषा को अपनाने को कहा।

आयोजन के दौरान काव्यपाठ का मंच भी सजा। इस मौके पर हेम पन्त, दीप चौधरी, उदय किरौला, कृपाल सिंह, महेश बराल, दिनेश चन्द्र भट्ट, लक्ष्मण सिंह पांगती आदि उपस्थित थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

लघु कहानी

क्या जो करूं

दीवान सिंह कठायत

विगत कई वर्षों से मिलाप सिंह, घर के चारों ओर अपने आप उग आये चीड़ के पेड़ों से काफी परेशान रहता है। अप्रैल माह में चीड़ का पतझड़ होते ही उसके घर के चारों ओर इसकी सूखी पत्तियाँ (पिरूल) भारी मात्र में जमा हो जाती हैं जिससे, रास्तों पर चलना दूभर हो जाता है। फिसलकर चोट खाने का भय सदैव बना रहता है। फिर कभी अचानक जंगल से आई आग उसे अपने आगोश में लेकर भयानक लपटों में बदल जाती है। भूमि पर उगे अन्य छोटे फलदार, चौड़ी पत्ती व हरे चारे के पौधों तथा जमा की गई सूखी घास के ढेर (लुट्टे) भी उस दावानल की भेंट चढ़ जाते। विकराल अग्नि की लपटों से घर बचाना भी मुश्किल हो जाता। दैत्याकार लपटों को बुझाने में कई बार मिलाप सिंह व उनके पारिवारिक जन झुलस जाते। उसने कई बार बांझ, बुरांस , च्यूरा व फल्यांट के पेड़-पौधों रोपे लेकिन चीड़ के वृक्ष सारी उर्वरा शक्ति व नमी को सोखकर अन्य पेड़ों की वृद्धि रोक देते और वे धीरे-धीरे सूख जाते।

व्यथित होकर मिलाप सिंह ने आसपास के सारे चीड़ के पेड़ों को काटने का निश्चय किया और बरसात में चौड़ी पत्ती वाले, फलदार एवं हरे चारे के पेड़ों पौधों को लगाने का मन बनाकर कुल्हाड़ी पकड़ी। ज्यों ही वह चीड़ के वृक्ष पर पहुँचा तभी उसे शोरगुल सुनाई दिया। उसने लपककर देखा नीचे मार्ग में स्कूली बच्चे 'विश्व पर्यावरण दिवस जिन्दाबाद', 'हरे वृक्ष मत काटो पर्यावरण को बचाओ' के नारे जोर-शोर से लगाकर उसके घर की ओर जा रहे हैं। हताश होकर वह ठिठक गया और अब 'क्या जो करूँ' के बीच फंस गया।

(प्रधानाध्यापक रा.आ.प्रा. वि. उडियारी)

सुझाव

साहित्यकारों को प्रोत्साहन देने हेतु सरकार कुछ उपाय करो

नन्दाबल्लभ पाण्डे

आजकल समाचार पत्रों के माध्यम से यह जानकारी पढ़ने को मिली है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रदेश के हर वर्ग के सुझावों पर अमल कर उन्हें समझ कर लागू करने को चिन्तित हैं। बजट सत्र में भी सुझावों पर चर्चा हो, इसके लिये वह बैठकों का आयोजन कर रहे हैं। ऐसी ही एक बैठक उन्होंने नैनीताल क्लब में भी आयोजित कर सभी वर्ग के लोगों से सुझाव मांगे। अब देखना यह है कि वह किन-किन बातों को महत्वपूर्ण मानते हुए कार्रवाई करते हैं। यदि उन्होंने वास्तव में सभी वर्ग जैसे व्यापारियों, उद्योगपतियों, किसानों तथा अन्य के लिये भी बजट में प्राविधान रखा तो बड़ी प्रसन्नता होगी। समाचार के अनुसार सभी वर्गों ने अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किये हैं। यदि मजदूर वर्ग, कमजोरों की भावनाओं को भी मुख्यमंत्री ने समझा तो सरकार के आदर्श भावों का प्रदर्शन दिखाई देगा।

सरकार से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह साहित्य और लेखकों, कहानी, कविता व निबन्ध आदि के रचनाकारों के लिये उन्हें प्रोत्साहन देने हेतु उनका मनोबल ऊँचा करने की व्यवस्था अपने बजट में रखेगी। क्योंकि साहित्यकार व लेखक वर्ग काफी मेहनत से अपनी रचनाएं तैयार कर पुस्तकें प्रकाशित कराते हैं लेकिन उन्हें सरकार की ओर से कोई प्रोत्साहन नहीं मिलता है। साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक, त्रैमासिक पत्रिकाओं को विज्ञापन आदि की सरकारी मदद भी चिन्ताजनक बना दी गई है। कुछ पत्र पत्रिकाएं किसी प्रकार अपने को नियमित बनाएं हुए हैं। जबकि इनके लिये साहित्य अकादमी आदि संस्थाएं खोलकर साहित्यकारों को आर्थिक सहयोग देकर उनका मनोबल बढ़ायें तो साहित्य लेखन आदि में काफी प्रगति बढ़ सकती है। सरकार को इन्हें प्रोत्साहित करने के लिये सहयोग राशि की व्यवस्था करनी चाहिये।

शंकराचार्य बासुदेवानन्द बोले-

धामों में तीर्थयात्री कम, पर्यटक आ रहे ज्यादा

गोपेश्वर। ज्योतिष्पीठ और राम मन्दिर निर्माण ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी शंकराचार्य स्वामी बासुदेवानन्द सरस्वती ने कहा कि बद्रीनाथ तथा केदारनाथ मन्दिरों में श्रद्धालुओं को दर्शन का समय कम मिल रहा है। उन्होंने कहा कि धामों अथवा मन्दिरों में तीर्थयात्री कम और पर्यटक ज्यादा आ रहे हैं। उन्होंने बद्रीनाथ धाम को मास्टर प्लान के तहत विकसित करने पर सरकार को क्लीन चिट दी।

ज्योतिर्मठ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्वामी बासुदेवानन्द सरस्वती महाराज ने कहा कि बद्रीनाथ तथा केदारनाथ मन्दिरों में तीर्थयात्रियों को कम समय मिल रहा है। चिन्ता का विषय है कि मन्दिरों में तीर्थयात्री कम और पर्यटक ज्यादा आ रहे हैं। धाम में मास्टर प्लान को समय की जरूरत बताते हुए उन्होंने कहा कि मन्दिरों के मूल स्वरूप में बदलाव न कर धामों में सुविधाओं को विकसित करने के लिये सरकार बेतहर कार्य कर रही है।

राम मन्दिर के सवाल पर उनका कहना था कि करीब साढ़े तीन लाख राम भक्तों ने लिये राम मन्दिर के लिए कुर्बानी दी। इसके चलते ही अदालत ने भी राम मन्दिर निर्माण के पक्ष में निर्णय लिया। देशभर में मन्दिर-मस्जिद पर चल रहे विवाद पर उनका कहना था कि देशभर में 3 लाख 50 हजार मन्दिरों को तोड़कर मस्जिद और इस्लामिक धार्मिक स्थलों का निर्माण किया गया जो बेहद चिन्ता का विषय है।

बदरी-केदार यात्रा

बारह लाख से अधिक की बम्पर भीड़

चमोली। बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम में अब तक 12 लाख 50 हजार तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। गत आठ मई को बद्रीनाथ मन्दिर के कपाट खुलने के पश्चात तीर्थयात्री लगातार दर्शनों को उमड़ रहे हैं। बद्रीनाथ-केदारनाथ मन्दिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. हरीश गौड़ ने बताया कि बद्रीनाथ धाम में 9 जून को 9362 तीर्थयात्री पहुंचे। इस दिन केदारनाथ में 12578 तीर्थयात्री दर्शनों को पहुंचे। 9 जून तक इन धामों में 12 लाख 16 हजार 902 तीर्थयात्री पहुंचे।

सिखों के प्रमुख धाम हेमकुण्ड साहिब तथा हिन्दुओं के प्रमुख तीर्थ लक्ष्मण मन्दिर लोकपाल में भी तीर्थयात्रियों का सिलसिला जारी है। गुरुद्वारा प्रबन्धन समिति के प्रबन्धक सरदार सेवा ने बताया कि 22 मई को कपाट खुलने के पश्चात अब तक करीब सात हजार तीर्थयात्री हेमकुण्ड साहिब तथा लोकपाल के दर्शन को पहुंच चुके हैं।

दूसरी ओर यात्रा मार्ग पर पशुओं की मौत पर लगातार सवाल उठ रहे हैं कि यात्रा में पशुओं के साथ अत्याचार हुआ है जिस कारण केदारनाथ यात्रा मार्ग पर अब तक 140 पशुओं की मृत्यु हो चुकी है। मामले में सचिव पशुपालन विभाग डॉ. वीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बताया है कि केदारनाथ यात्रा मार्ग में हो रही पशुओं की मृत्यु पर विभाग गम्भीर है। पैनल यात्रा मार्ग पर निगरानी कर रहा है और पशुओं की चिकित्सा के लिये हर प्रकार से सुविधाएं दी जा रही हैं।

ज्योतिष की बातें - 80

21 जून 2022 को सूर्य सायनमान से कर्क राशि में प्रवेश करेगा इसलिए वर्षा ऋतु का प्रारम्भ हो जाएगा। ऋतु का प्रभाव सूर्य के सायनमान से ही प्रकृति में परिलक्षित होता है। जो लोग नियमित त्रिफला का सेवन करते हैं उन्हें अगले दो महीने सेंधा नमक मिलाकर त्रिफला चूर्ण का सेवन करना चाहिए।

प्राय: लोग कहते हैं कि ज्योतिष से सही-सही फल नहीं निकलता है। इसका एक कारण यह भी होता है कि यदि जन्म के समय में 10 मिनट का अन्तर हो जाए तो महादशा में 2 महीने तक का अन्तर हो जाता है और वर्ग कुण्डलियों में भी बहुत अन्तर आ जाता है इसलिए सूक्ष्म फलित के लिए जन्म समय सही सही ज्ञात होना आवश्यक होता है। पुन: विचारणीय है कि अति सूक्ष्म रूप से जन्म समय का ज्ञात होना सम्भव नहीं होता। किसी को तो जन्म की तारीख तक ज्ञात नहीं होती है। ऐसी स्थिति में 'प्रश्न ज्योतिष' की सहायता से जातक के सभी प्रश्नों का उत्तर सहजता से दिया जा सकता है। इसके लिए योग्य प्रश्न ज्योतिषी से श्रद्धापूर्वक प्रश्न करना चाहिए।

शुभं भवतु !!

ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

माँ

माँ की कहानी मैं कहाँ लौ बखान करूँ,
उससे बड़ा न कोई सार संसार में।
भूख प्यास उसको सताती नहीं कभी भी,
भूली रहती रात-दिन बच्चे के प्यार में।
चलना सिखाती और पढ़ना सिखाती वह,
ढाल देती उस को है अच्छे संस्कार में।
बेटा वही कर्णधार बनता है देश का,
जो पलता सदा है माँ के सच्चे दुलार में।

उत्तराखण्ड

भारत के उत्तर सुशोभित उत्तराखण्ड है,
जो गिरिवर हिमालय की शोभा बढ़ा रहा।
पूजा स्थली शिव शंकर और गिरिजा की,
जिसका बखान वेद आज भी गा रहा।
भारती के शीष मुकुट समान जो
चमा चम चमा चम कीर्ति चमका रहा।
कहाँ लों बखान करौं अपने उत्तराखण्ड को
जो स्वर्ग से अधिक सारे विश्व को लुभा रहा।

-श्रीनिवास मिश्र

२८ वनराजी परिवारों को भूमि अधिकार पत्र वितरित

पि.हि.प्रतिनिधि

पिथौरागढ़। किमखोला, भक्तिरवा, चफलतरा के 28 वनराजी परिवारों की भूमि अधिकार पत्र वितरित किए गए। अधिकार पत्र मिलने के बाद वनराजियों को प्रधानमंत्री सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। धारचूला के जौलजीवी राजी भवन में वनराजी परिवारों को भूमि अधिकार पत्र वितरित किये।

उत्तराखण्ड अनुसूचित जनजाति के अध्यक्ष मूरत राम शर्मा व उपाध्यक्ष जी. एस. मर्तोलिया ने वनराजी परिवारों के पट्टे का विवरण किया।

अध्यक्ष शर्मा ने वनराजियों की समस्याओं को सुना और समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। उपाध्यक्ष मर्तोलिया ने कहा कि 200 प्रधानमंत्री आवास केवल वनराजी परिवारों के लिये स्वीकृत हुए हैं। उन्होंने उपस्थित वनराजी समुदाय के परिवारों से बच्चों को स्कूल भेजने की अपील की। अर्पण संस्था की खीमा जेठी ने कहा कि सरकार व प्रशासन की मदद से वनराजियों को आवास हक मिल पाया है। भूमि नाम पर होने से वह कृषि कार्य कर सकते हैं और मकान बना सकते हैं।

उन्होंने डीडीहाट तहसील के कूटा, च्यूरानी, मदनपुरी के सामूहिक दावे के अधिकार की मांग की। वनराजी परिवारों ने डीडीहाट के पूर्व एसडीएम के.एन. गोस्वामी का आभार जताया। इस अवसर पर पूर्व विधायक गगन सिंह रजवार, समाज कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार, खद्योत कुमार ओझा, गाविन्द सिंह बोनाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हल्द्वानी में डिजिटल गाँव बनेगा : भट्ट

हल्द्वानी। रक्षा एवं पर्यटन राज्यमंत्री अजय भट्ट ने बताया है कि नैनीताल जिले में डिजिटल गाँव बनाने की योजना पर कार्य शुरु हो चुका है। इससे लोगों को काफी सुविधा होगी। यह कार्य सीएसआर के माध्यम से होगा। इसके अलावा सीमान्त क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने की भी योजना है।

क्षेत्रीय सांसद श्री भट्ट ने कहा कि डिजिटल गाँव के लिए जिला प्रशासन से बातचीत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सम्पदा कार्यालय न होने के कारण लोगों को नक्शे, म्यूटेशन आदि कार्यों के लिये मेरठ और बरेली स्थित कार्यालयों में जाना पड़ता है। राज्य सम्पदा का कार्यालय देहरादून में खुलने जा रहा है। उम्मीद है कि इसी महीने यह कार्यालय का शुभारम्भ हो जायेगा। श्री भट्ट ने बताया कि इसी तरह रानीखेत में राज्य सम्पदा कार्यालय की शाखा खोली जायेगी, इसमें लोगों को सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने की भी कई योजनाएं हैं। इसे लेकर राज्य सरकार से बातचीज हुई है।

इस मामले को लेकर सीडीओ डॉ. सन्दीप तिवारी ने बताया है कि ब्लाक कार्यालय में डिजिटल गाँव बनाने के लिये कार्य शुरु हो गया है। यह कार्य एचपी कम्पनी के माध्यम से होगी। कम्पनी संसाधन उपलब्ध करने से लेकर संचालन के लिये राशि उपलब्ध कराएगी। इसके तहत सीएससी का संचाचल, टेली मेडिसिन की सुविधा लोगों को उपलब्ध कराने की योजना है। आगे किसानों को लाभ पहुंचाने की योजना भी है। एचपी कम्पनी की टीम ने इसके लिये निरीक्षण कर लिया है। दो से ढाई महीने में कार्य आरम होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि होम स्टे, स्मार्ट सिटी सहित इस प्रकार के नये प्रयोग वर्तमान में जारी हैं।

ब्लाक कार्यालय में डिजिटल गाँव बनाने के लिये कार्य शुरु हो चुका है। स्थान तय है

बेरीनाग में बैठक, गणाई में जाम से बुरा हाल

बेरीनाग/गंगोलीहाट। ग्रीष्मकालीन सीजन में गणाईगंगोली जाम से बेहाल है। दिनभर मुख्य मार्ग में सैकड़ों वाहनों की लम्बी कतार होने से पहाड़ को आ रहे यात्रियों की फजीहत हो रही है। गणाई गंगोली में वैसे भी साल भर जाम की समस्या बनी रहती है। दरअसल टैक्सी चालकों द्वारा यहाँ मुख्य बाजार के सामने सड़क पर आड़ी-तिरछी वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है। इस समय जाम से परेशान गणाईगंगोली के लोगों ने वाईपास की मांग की है। व्यापार संघ अध्यक्ष राजेन्द्र उपाध्याय के नेतृत्व में व्यापारियों ने थानाध्यक्ष से यातायात व्यवस्था सुधार की मांग की है। विधायक फकीर राम टम्टा को बाईपास बनाने हेतु ज्ञापन भी सौंपा है।

दूसरी ओर नगर पंचायत बेरीनाग की बैठक उपजिलाधिकारी ए.के.शुक्ला की अध्यक्षता में हुई। जिसमें नगर की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। एसडीएम ने बैंक चौराहे से चार टैक्सी के आलावा अन्य टैक्सी वाहन पेट्रोल पम्प के पास खड़े करने और लोनिवि कार्यालय के पास सात टैक्सी के अलावा अन्य टैक्सी पुराना थल मार्ग में खड़े करने और पुराना बाजार क्षेत्र अस्पताल रोड में कोई भी वाहन खड़े नहीं करने को कहा। बाजार में तीन दिन दायें और तीन दिन बाएं प्राइवेट वाहन और बाइक खड़े करने पर सहमति बनी। नगर के बाइपास, बैंक चौराहे व गणेश चौक के पास साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिये। बैठक में व्यापारी धीरज बष्ट, टैक्सी यूनियन अध्यक्ष राजेश पन्त, सभासद बलवन्त धानिक, किशन शाह, योगेश कार्की मौजूद थे। बैठक में पता चला कि नगर पंचायत के पास साइन बोर्ड लगाने के लिये धनराशि नहीं है। डम्पिंग जोन के लिये भी मामला अटका है।

यातायात व्यवस्था को लेकर नगर पंचायत की गहमागहम बैठक हुई

रानीखेत कैन्ट बोर्ड की बैठक में कई निर्णय

रानीखेत। कैन्ट बोर्ड की बैठक में क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण को लेकर कई निर्णय लिए गए। जिसमें क्षेत्र के सौन्दर्यीकरण, सेवानिवृत्त कर्मियों की पेंशन सम्बन्धी मामलों को लेकर चर्चा की गई। केआरसी कमाण्डेंट ब्रिगेडियर आई.एस. साम्याल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पिछले दो बार के उपाध्यक्ष रहे वर्तमान में बोर्ड के एकल सदस्य मोहन नेगी ने क्षेत्र की कई समस्याओं से अवगत कराया। बोर्ड के सीईओ नागेश पाण्डेय ने कैन्ट बोर्ड कार्यालय की कुछ मामलों में मजबूरी भी जताई। कहा गया कि क्षेत्र की कुछ सड़कों पर पैच वर्क कराया जायेगा। रानी झील के सौन्दर्यीकरण पर प्राथमिकता रहेगी। सेना के गोल्फ ग्राउण्ड का दक्षिण भाग दिन के समय पर्यटकों के लिये दो घण्टे खोला जायेगा। कैन्ट पुस्तकालय के पास ही एक छोटा म्यूजियम निर्माण किया जा सकता है। मुक्ति धाम सड़क पर पैंच कार्य के लिये 22 लाख खर्च किए जाने हैं। आशियाना पार्क के सौन्दर्यीकरण के लिये 5 लाख खर्च होंगे। इसके अलावा बैस्ट व्यू होटल के सामने वाली सड़क सहित रानी झील व दीवान सिंह हाल के पीछे की ठण्डी सड़क के सुधारीकरण का भी कार्य होगा।

कहा गया कि इस समय सेवानिवृत्त हो रहे लोगों का वेतन नहीं बन पा रहा है, जिससे पेंशन के कार्यों में भी दिक्कत आ रही है। कैन्ट बोर्ड की इस वर्ष आय में काफी कमी रही। चुंगी से होने वाली आय समाप्त हो गई है। केवल ऑनलाइन भुगतान कैन्ट बोर्ड द्वारा स्वीकार किये जाने के कारण अनेक लोग भुगतान नहीं कर पा रहे हैं। कहा गया कि ऐसा रास्ता निकाला जाए जिससे दैयक देने वाले आसानी से अपना दैयक समयावधि के अन्दर जमा कर सकें। साथ ही कहा गया कि सीतापुर आई हास्पिटल वाली कैन्ट बोर्ड की इमारत कई सालों से खाली पड़ी है, इसका सदुपयोग किया जा सकेगा। इसे लीज पर दिया जा सकता है।

परिक्रमा

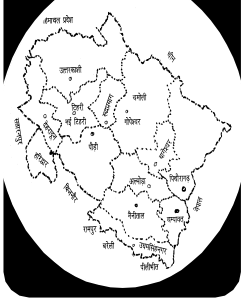

उद्यान विभाग ने शासन को भेजा प्रस्ताव

नैनीताल। उद्यान विभाग भीमताल और ओखलकाण्डा में मण्डी खोलने के लिये प्लेटफार्म तैयार करेगा। जिसमें उत्पादों को बेचने के लिये दुकानें तैयार की जाएंगी। ताकि उन दुकानों में किसान अपने उत्पादों की बिक्री कर सकें। साथ ही अन्य किसानों के उत्पाद भी खरीदे जाएंगे। इसके अलावा नैनीता में भी विक्रय केन्द्र खुलेगा। इससे किसानों को अपने उत्पादों को हल्द्वानी मण्डी नहीं जाना पड़ेगा और उचित मूल्य मिल पायेगा।

उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के काश्तकार काफी समय से इस प्रकार की मांग कर रहे थे। लम्बे समय से भीमताल विधान सभा क्षेत्र में किसानों के पहाड़ी उत्पादों की बिक्री और खरीददारी के लिये उठ रही मण्डी खोलने की मांग अब पूरी हो सकती है। बताया जा रहा है कि जनपद के भीमताल और ओखलकाण्डा विकास खण्ड में जापान इन्टरनेशनल कार्पोरेशन एजेंसी योजना (जायका) के तहत उद्यान विभाग ने अपनी मण्डी खोलने और नैनीताल में उत्पाद विक्रय केन्द्र खोलने का प्रस्तावा शासन और निदेशालय को भेज दिया है। शासन से अगस्त में अपनी मण्डी और उत्पाद विक्रय केन्द्र के लिये धनराशि जारी होने की उम्मीद है। इसके लिये उद्यान विभाग ने अपनी तैयारी शुरु कर दी है। अपनी मण्डी में किसान आलू, टमाटर, बीन, शिमालमिर्च, मडुवा, गहत/घौत, उड़द, भट्ट, राजमा, सोयाबीन समेत अन्य पहाड़ी उत्पाद बेच सकेंगे। जिला उद्यान अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार का कहना है कि प्रस्ताव शासन को भेजने के साथ ही विभाग अपनी तैयारी कर रहा है।

भीमताल, ओखलकाण्डा में बनेंगी कृषि मंडियां और नैनीताल में खुलेगा विक्रय केन्द्र

सरमोली में भांग नष्ट करने के लिये रणनीति

मुनस्यारी। वन पंचायतों की भूमि में स्वत: उगने वाले भांग को नष्ट करने के लिए वन पंचायत सरपंचो के साथ रणनीति बनाई गई। जिला पंचायत के सरमोली वार्ड के 25 ग्राम पंचायतों को चरस मुक्त बनाने के लिए जारी अभियान के क्रम में वन विभाग को भी इसका सांझीदार बना दिया गया है।

विकासखण्ड के सभागार में आज जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया की उपस्थिति में 25 ग्राम पंचायतों के सरपंचों की बैठक हुई। बैठक में तय किया गया कि वन पंचायत की भूमि में हर साल खुद ही उगने वाले भांग को सरपंच अपने नेतृत्व में अभियान चलाकर नष्ट करेंगे।

वन विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है,कि वे समय-समय पर वन पंचायतों का निरीक्षण करेंगे।

बैठक में वन पंचायत के सरपंचों को यह जिम्मेदारी देते हुए कहा कि अगर किसी भी वन पंचायत में भांग के पौध मिले तो वन पंचायतों के खिलाफ विधिक कार्यवाही भी अमल में लाई जाएगी।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि नागरिक, राजस्व पुलिस के साथ ही वन विभाग को भी इस क्षेत्र को भांग मुक्त करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

उन्होंने कहा कि जो वन पंचायत भांग मुक्त के लिए उत्कृष्ट कार्य करेगी, तो उसे पुरस्कृत किया जाएगा।

वन विभाग के वन दरोगा त्रिलोक सिंह राणा ने कहा कि विभाग की ओर से 25 ग्राम पंचायतों के सरपंचों को पत्र देकर इसकी जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। इसके लिए अतिरिक्त वन कर्मियों को लगाने की आवश्यकता होगी तो तैनात किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सरमोली बार्ड में लगातार रचनात्मक कार्य किये जा रहे हैं।

२५ ग्राम पंचायतों को चरस मुक्त बनाने के लिए वन विभाग को साझीदार बनाया गया है

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मिशन २०२४ के लिये बिछाने लगे गोटियां

भाजपा कार्यसमिति की बैठक, कांग्रेस की यात्रा

पि.हि.प्रतिनिधि

2024 लोकसभा चुनाव के लिये भाजपा कांग्रेस गोटियां बिछाने लगी हैं। इसके लिये भाजपा ने आने वाले दिनों में विशाल रैलियों तक का खाका बना डाला है। हार से बेदम हुई कांग्रेस जीत का सुराग तलाश रही है। इसके लिये पार्टी की यात्रा जारी है। राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक के बाद उत्तराखण्ड में भी चुनाव के लिये मंथन होने लगा है।

हल्द्वानी में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में मिशन 2024 को लेकर मंथन हुआ। इस दो दिवसीय कार्यसमिति बैठक का शुभारम्भ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने किया। कमजोर बूथों को लेकर जिस प्रकार भाजपा चौकन्नी है, उससे लगता है कि लोकसभा चुनाव के लिये भी यह पैनी तैयारी में हैं जबकि प्रमुख विपक्षी कांग्रेस इतनी ज्यादा लड़खड़ा चुकी है कि उसे 2024 के लिये सोचना पड़ रहा है। कई विधानसभा क्षेत्रों में प्रमुख कांग्रेसियों के भाजपाई बनने के बाद से स्थिति सम्भालना कठिन हो रहा है। इसी प्रकार अन्य विपक्षी आप, यूकेडी भी बहुत मेहनत के बाद ही कहीं पर दिख सकती है।

प्रदेश में एकदम हाबी भाजपा के हौंसले बहुत बढ़ चुके हैं। हाल के उपचुनाव में सीएम की जोरदार जीत ने भी युवाओं में जोश भरा है। हल्द्वानी में हुई कार्यसमिति की बैठक में बताया गया है कि सांसदों के पास सौ और विधायकों के पास 25 कमजोर बूथों की जिम्मेदारी है। लोकसभा चुनाव को लेकर लोकसभा प्रभारी, संयोजक, विस्तारक की तय जिम्मेदारी पर भी चर्चा हुई। जिला प्रभारियों को विधानसभा स्तर और जिलाध्यक्ष को मण्डल स्तर पर भेजे जाने की चर्चा हुई। बैठक में तय किया गया कि मोदी सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने के लिए कई अभियान किये गये हैं। प्रदेश के सभी मण्डलों में एक साथ बाइक रैली निकाली जायेगी।

बैठक में पहुंचे सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आठ साल पूरे हुए हैं, इस दौरान दुनिया में भारत का मान सम्मान बढ़ा है। भारत आत्मनिर्भर बना है। पूर्व केन्द्रीय शिक्षा मंत्री निशंक ने कहा कि इस समय उत्तराखण्ड ही नहीं बल्कि पूरे देश में उत्साह का माहौल है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुरेश भट्ट ने कहा कि कार्यसमिति की बैठक मिशन 2024 के लिये टॉनिक का काम करेगी। बैठक में महामंत्री संगठन अजय, सह प्रभारी रेखा वर्मा, प्रदेश महामंत्री कुलदीप कुमार, राजेन्द्र भण्डारी, प्रदेश मंत्री राजेन्द्र बिष्ट, अनिल चौहान, अम्बादत्त आर्य, खिलेन्द्र चौधरी, आदित्य चौहान सहित विधायक, सांसद, मंत्री कार्यसमिति के सदस्य सहित 300 लोगों ने भाग लिया।

हरीश रावत हरिद्वार से

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को लेकर एक बार फिर से चर्चा हो रही है कि वह हरिद्वार सीट से कांग्रेस का चेहरा होंगे। विधानसभा चुनाव परिणामों से घायल हरदा क्या लोकसभा चुनाव में साहस दिखाएंगे? यह सोचने की बात है लेकिन इसकी बहुत ज्यादा सम्भावना इसलिये बताई जा रही है कि हरिद्वार सीट पर उनकी पुत्री विधायक हैं। साथ ही आगे की रणनीति के लिये वह रहे-बचे कांग्रेसियों को परख लेना चाहेंगे। क्योंकि उनकी इच्छा 2027 के चुनाव की भी है।

अजय भट्ट और निशंक

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' जोड़तोड़ में माहिर हैं और हरिद्वार सीट पर उनकी पकड़ को देखते हुए फिलहाल तो यही लगता है कि निशंक भाजपा के सबसे ताकतवर प्रत्याशी हो सकते हैं। देश के शिक्षा मंत्री तक का दायित्व प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें दिया था और वक्त-वेवक्त पार्टी के लिये उन्हें अभियान में लगाया जाता है। इसी प्रकार नैनीताल सीट पर रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट को ही आजमाया जा सकता है। श्री भट्ट अपने लोकसभा क्षेत्र में बेहद सक्रिय हैं।

कांग्रेस वापसी की उम्मीद नहीं : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में सम्बोधन के दौरान कहा कि जिस भी राज्य में कांग्रेस सत्ता से गई, वहाँ फिर वापस नहीं आई। उत्तराखण्ड में भी वापसी की कोई उम्मीद नहीं है। उपचुनाव के समय मुझे दूसरे दल के नेताओं ने अपनी सीट छोड़ने का ऑफर किया और ऐसे नेताओं की संख्या दस से ज्यादा थी। वह उस बात का प्रमाण है कि उनके अन्दर कितनी हतासा व निराशा है। धामी ने कहा कि भाजपा को मिली प्रचण्ड जीत कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत है। इस चुनाव में हमने दो बार इतिहास बना डाला। राज्य बनने के बाद जितने भी आम चुनाव हुए, भाजपा-कांग्रेस की बारी-बारी से सरकार बनती थी। यह मिथक टूट चुका है।

मोदी सरकार का कार्यकाल निराशाजनक : करन

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने केन्द्र की मोदी सरकार के आठ वर्ष के कार्यकाल को हर मोर्चे पर विफल बताते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में भाजपा ने असफलता के नये रिकार्ड कायम किये हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के पास आठ वर्ष के कार्यकाल की कोई भी ऐसी उपलब्धि नहीं है जिस पर देश की जनता को गर्व हो। उन्होंने कहा कि अपने पिछले पांच साल के कार्यकाल तथा इस तीन साल के कार्यकाल में में मोदी सरकार ने उसफलता के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। माहरा ने कहा कि लोकसभा चुनाव प्रचार में मोदी ने जो वायदे किये थे, झूठ का पुलिन्दा हैं।

कैबिनेट के निर्णय के बाद लालकुआं क्षेत्र में जगी आस

पि.हि.प्रतिनिधि

हल्द्वानी/लालकुआ। उत्तराखण्ड कैबिनेट की बैठक में सरकार ने निर्णय लेते हुए लालकुआ नगर क्षेत्र में निवास करने वाले 1537 परिवारों को 2000 के सर्किल रेट के हिसाब से मालिकाना हक देने का निर्णय लेते हुए एक वर्ष का समय निर्धारित किया है।

विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने कैबिनेट के निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि यह लालकुआ नगर क्षेत्र में निवास करने वालों के लिये महत्वपूर्ण सौगात है।

पूर्ववर्ती भाजपा सरकार ने भी दो वर्ष पूर्व 2004 के सर्किल रेट के हिसाब से मालिकाना हक देने का शासनादेश जारी किया था। धामी सरकार ने उसमें संशोधन करते हुए 2016 में जारी किये गये शासनादेश के आधार पर वर्ष 2000 के सर्किल रेट पर ही मालिकाना हक देने का निर्णय लिया है। इससे नगर के 1537 परिवारों को लाभ पहुंचेगा।

उल्लेखनीय है कि लालकुआ नगर की भूमि वर्ष 1927 में डिफरैस्ट हुई थी। 1975 में लालकुआ राजस्व ग्राम बना और 1978 में यहाँ नगर पंचायत की स्थापना की गई। तब से आज तक लालकुआ के लोगों को उनकी जमीनों का मालिकाना हक नहीं मिल पाया है। 2 नवम्बर 2020 को वर्तमान सरकार द्वारा जारी किये गये शासनादेश में सौ वर्ग मीटर कम भूमि वालों के लिए 2004 के सर्किल रेट का पाँच प्रतिशत लेने, 101 से 200 वर्ग मीटर तक की भूमि वालों के लिए 2004 का सर्किल रेट, 201 से 400 वर्ग मीटर तक भूमि वालों के लिए वर्ष 2004 के सर्किल रेट से दस प्रतिशत अतिरिक्त लेने का निर्णय किया था। 401 से अधिक वर्ग मीटर की भूमि के नियमितीकरण के लिये 2004 के सर्किल रेट से 25 प्रतिशत अतिरिक्त धनराशि जमा करने का आदेश था।

लालकुआ में मालिकाना हक मामले में पूर्व में 5 बार शासनादेश जारी हुए थे। वर्तमान कैबिनेट में हुए निर्णय के बाद यह छठा शासनादेश जारी हो गया।

लालकुआ नगर के लिये हुए फैसले के बाद बिन्दुखत्ता वासियों में भी इस बात को लेकर उत्सुकता है कि क्या सरकार उनके लिये भी आगे कोई निर्णय लेगी या उन्हें अभी टहलाया जाता रहेगा। बताते चलें कि बिन्दुखत्ता के लोगों को मनाये रखने के लिये सरकारों द्वारा घोषणाएं होती रही हैं। जबकि सबसे पहले राजस्व ग्राम बनाने की प्रक्रिया होनी होनी चाहिये थी। आने वाले दिनों में विधायक को इसपर जबाब देना होगा।

मालिकाना हक की लड़ाई

लालकुआ में भूमि के मालिकाना हक को लेकर शुरु से लड़ाई उपजती रही है। विधानसभा क्षेत्र बनने के बाद से तो क्षेत्रवासियों को ललचाया जाता रहा है लेकिन भूमि पर मालिकाना हक का मामला आज तक लटका हुआ है। आज तक पाँच बार इस मामले पर शासनादेश जारी हो चुके थे। अब मिलाकर इनकी संख्या 6 हो चुकी है।

भरोसे पर वोट देते रहे हैं

भूमि के मालिकाना हक पर क्या निर्णय होगा, इस सवाल को लेकर क्षेत्रवासी आज तक अपने को छला महसूस करते हैं। कोई तो उनकी सुन ले, इस बात के लिये वह वोट देते रहे हैं। कांग्रेस के हरीश दुर्गापाल, भाजपा के नवीन दुम्का को उम्मीदों के साथ जनता ने वोट दिये थे। इस बार भाजपा के विधायक मोहन बिष्ट पर सारा दारोमदार है कि वह क्या करवा सकते हैं।

मोहन दा के लिये बड़ा अवसर

लालकुआ विधानसभा सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत को आसानी से हराने वाले जनप्रिय नेता मोहन सिंह बिष्ट के लिये 'मालिकाना हक' मामला बड़ा अवसर है। क्षेत्र की तमाम समस्याओं को जानने वाले मोहन दा के विधायक बनते ही लालकुआ के लोगों को मालिकाना हक का सवाल उठने लगा था। लालकुआ में मालिकाना हर मामले में पूर्व में पाँच बार शासनादेश जारी हुए थे। अब वर्तमान सरकार की कैबिनेट में निर्णय के बाद छठी बार यह शासनादेश जारी हुआ है। धामी सरकार ने वर्ष 2016 के सर्किल रेट को ही यथावत रखने का निर्णय लिया है।

श्रमिक-किसान आन्दोलन

लालकुआ-बिन्दुखत्ता की तमाम समसयाओं को लेकर श्रमिक-किसान आन्दोलन शुरु से होते रहे हैं। भाकपा (माले) के बैनर तले विशाल प्रदर्शन लगातार सत्ता को झकझोरते रहे हैं। बिन्दुखत्ता मामले पर राजनीति को लेकर चौकन्ने हो रहे भाजपा-कांग्रेस को माले ने कठघरे में खड़ा कर दिया और पूछा कि नगर पंचायत या पालिका बनाने से पहले बिन्दुखत्ता को राजस्व ग्राम क्यों नहीं बनाया जा रहा है। लग रहा है अब फिर से इस बिन्दु पर चर्चा होगी।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय की स्थापना के 45वें वर्ष में प्रवेश की शुभकामनाएं-

थ्वाल बुक डिपो
गौरल चौड़ मार्केट, चम्पावत

समस्त विद्यालयों की कापी, किताबों, कार्यालयी सामग्री, खेलकूद सामग्री एवं स्कूल बैग के थोक एवं फुटकर का प्रतिष्ठान

मो. 9456573822

श्रीमती नन्दा बरफाल
सुरभि कालोनी, फेज-2
हल्द्वानी

गिरीश सिंह वृजवाल
खुशदीप सदन, सुरभि कालोनी
हल्द्वानी

रंजीत सिंह जंगपांगी
सुरभि कालोनी, फेज-2
मल्ली बमोरी, हल्द्वानी

रमेश पाण्डे
पूर्व प्रधान
मझेड़ा
गरमपानी (नैनीताल)

बुक जंक्शन खैरना

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148

www.mountainheights.in

Enjoy Beauty of Himalaya at

MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari

A Home Away From Home & Home Stay

Phone: (05961) 222287

सप्ताह के पर्व

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष

21 जून- शीतलाष्टमी व्रत

24 जून- योगिनी एकादशी

26 जून- प्रदोष व्रत

29 जून- आषाढ़ अमावस्या

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती

फोन/फैक्स: (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

पत्र व्यवहार के लिये पते-

जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)